# मनसा सेवा - 44

**अव्यक्त बापदादा :- (31/12/1989)**

➳ _ ➳ बापदादा ने दो वर्ष पहले - नये वर्ष में क्या नवीनता लानी है वह डॉयरेक्शन दिये थे। बीच में एक वर्ष एक्स्ट्रा मिल गया। तो आज अमृतवेलेबापदादा देख रहे थे कि हर एक बच्चे ने अपने में नवीनता कहाँ तक लाई है। मन्सा में, वाणी में, कर्म में क्या नवीनता लाई और सेवा-सम्पर्क में क्या नवीनता लाई? जो अगले वर्ष मन्सा का चार्ट रहा वह अभी मन्सा का चार्ट क्या है? ऐसे सब बातों का चार्ट चेक करो

➳ _ ➳ नवीनता अर्थात् विशेषता। सब बातों में विशेषता लाई? मन्सा की विशेषता उड़ती कला के हिसाब से कैसी है? उड़ती कला वालों की विशेषता अर्थात् हर समय हर स्वत: ही निकलती रहें। मन्सा सदा इस सेवा में बिज़ी रहे।

➳ _ ➳जैसे वाचा की सेवा में सदा बिज़ी रहने के अनुभवीहो गये हो। अगर सेवा नहीं मिलती तो अपने को खाली अनुभव करते हो। ऐसे हर समय वाणी के साथ-साथ मन्सा सेवा स्वतः ही होनी चाहिए। वाचा सेवा के बहु तअच्छे प्लैन्स बनाते हो। यह कान्फ्रेन्स करेंगे - नेशनल करेंगे, अभी इण्टरनेशनल करेंगे, वर्गीकरण की करेंगे। तो वाचा की सेवा में अपने को बिज़ी रखने के लिए एक के पीछे दूसरा प्लैन पहले ही सोचते हो इसमें बिज़ी रहना आ गया है। मैजारिटी अच्छे उमंग से इस सेवा में आगे बढ़ रहे हैं। बिज़ी रहने का तरीका आ गया है। लेकिन मन्सा सेवा में भी बिज़ी रहें - इसमें मैनारिटी हैं, मैजारिटी नहीं हैं।

---

➢➢ नवीनता अर्थात

➳_ ➳ Newnessकुछ नया, जो पहले नहीं किया गया...

➳_ ➳ क्रियेटिविटी, रचनात्मकता, सृजनात्मकता..

→ जब तक जीवन में रचनात्मकता नहीं, उमंग नहीं आता...

→ अतिरिक्त उमंग से काम करना...

→ विचारों के तल पर रचनात्मकता लानी है...

➳_ ➳ ट्रांसफॉर्मेशन, परिवर्तन...

➳_ ➳ पूराने का त्याग, वैराग्य, उसे छोड़ना...

➳_ ➳ विशेषता...

→ हर चीज में विशेषता लाना...

---

➢➢ कहाँ कहाँ नवीनता लानी है?

➳_ ➳ आदतें

→ पुराणी आदते दु:ख दे रही हैं पर मनुष्य उन्हें छोड़ना नहीं चाहता...

→ देह भान से, इन आदतों से बाहर निकलना है...

→ मन में संकल्प करना होगा कि मुझे अब तक के जीवन में नवीनता लानी है...

- नरक में जो कुछ चुना जायेगा, सब नारकीय ही है...
- पुराने में जो कुछ चुना जायेगा, सब पुराना ही है...
- अपनी सोच बदलनी है...
  - ▶ हरेक के प्रति शुभ भावना हो...
  - ▶ कितना भी विरोधी हो, उसके लिए शुभ भावना हो... अभी वह आत्मा परवश है...
  - ▶ शुभ भावना रखना बहुत बड़ी साधना है..

➳_ ➳ संघर्ष को ही रोक दे... अहंकार से बचने के लिए आंतरिक संघर्ष बंद कर दे...

➳_ ➳ आत्म अभिमानी स्थिति हो...

➳_ ➳ यदि आपको बेस्ट आईडिया चाहिए तो आपके पास बहुत से आईडिया होने चाहिए...

➳_ ➳ सभी समस्याए सार्वजनिक हैं... कोई अपवाद नहीं है... उसका हल किसी से भी निकल सकता है...

➳_ ➳ विचारों में नवीनता लानी है...

➳_ ➳ पेपर लेकर अपनी सारी समस्याओं को ड्रा करना... जरुर समाधान निकलेगा...

---